एक नजर में

सीआरपीएफ कैम्पस में किया 'सीपीआर जागरूकता सप्ताह' का आयोजन

नीमच। भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशानुसार ग्रुप केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नीमच द्वारा दिनांक 13-10- से 17- 10-2025 तक सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेषन) जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके तहत ग्रुप केन्द्र] नीमच के मेंस क्लब में संयुक्त अस्पताल केरिपुबल नीमच के डॉ0 संजय कुमार भोंडले मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ओ0जी0ड्ड एवं उनकी टीम के द्वारा ग्रुप केन्द्र नीमच के कार्मिकों/पारिवारिक सदस्यों को सीपीआर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा बताया गया कि सीपीआर एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है जो दिल का दौड़ा पड़ने या अन्य आपात स्थितियों के दौरान किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है। उक्त डॉक्टर एवं उनकी टीम के द्वारा किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक आने पर क्या करने एवं क्या नहीं करने के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया गया। सीपीआर सप्ताह-2025 का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) के बारे में जागरूकता बढ़ाना] इसे करने की तकनीकों के बारे में शिक्षित करना और हृदय गति रूकने की आपात स्थिति में समय पर प्रतिक्रिया करने की क्षमताओं को बढ़ाना है। इस पहल के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सीपीआर प्रशिक्षण देकर जीवन बचाने की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस दौरान उपस्थित सभी कार्मिकों/पारिवारिक सदस्यों को उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सीपीआर व जीवन रक्षक तकनीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के संबंध में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर श्री प्रमोद कुमार साहू कमाण्डेन्ट श्री देविन्द्र सिंह नेगी, उप कमांडेंट ग्रुप केन्द्र नीमच सहित सभी राजपत्रित अधिकारीगण अधीनस्थ अधिकारीगण जवान एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आज 18 अक्टूबर को प्रात- 10 बजे से कनावटी रोड़ नीमच पर न.पा.द्वारा निर्मित प्रधानमंत्री आवासीय कालोनी परिसर में प्रधानमंत्री आवास गृहों का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे और हितग्राहियों को गृहप्रवेश करवाएंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवासीय कालोनी पहुच कर, मुख्यमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने मंच व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, पाण्डाल निर्माण, नागरिकों और हितग्राहियों की बैठक व्यवस्था, लोकार्पण एवं पौधारोपण की तैयारी, कार्यक्रम की सीधा प्रसारण का व्यवस्था आदि का जायजा लिया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया, एसडीएम श्री संजीव साहू, परियोजना अधिकारी शहरी विकास श्री पराग जैन, सीएमओ सुश्री दुर्गा बामनिया सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं हितग्राही उपस्थित थे। कलेक्टर ने आवास प्राप्त हितग्राहियों से चर्चा भी की।

मालाहेड़ा में नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्या स्वास्थ शिविर

नीमच। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, मालाहेड़ा में शुक्रवार को नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर, उन्हें नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधियाँ प्रदान की गईं। मुख्य रूप से उदर रोग, मुख रोग, त्वचा रोग, विबंध, श्वास, कास, रक्ताल्पता, अग्निमांद्य, अरुचि आदि रोगों से पीड़ित रोगियों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। साथ ही उपस्थित नागरिकों को दिनचर्या, आहार-विहार तथा तनाव से उत्पन्न होने वाले रोगों की जानकारी दी गई। शिविर में कुल 27 रोगियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि वितरण किया गया। शिविर में डॉ.तुलसीराम अलावे, श्री अनवर खाँ एवं श्रीमती लीला बाई द्वारा सेवाएँ प्रदान की।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावे आपत्ति आमंत्रित

नीमच। म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा जारी फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 के कार्यक्रम की समय-सारणी में संशोधन किया गया हैं। संशोधित समय-सारणी में दावा आपत्ति केन्द्र पर दावे आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 8 से 24 अक्टूबर 2025 के अपरान्ह: 03 बजे तक नियत की गई हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र के समस्त मतदाता संबंधित ग्राम पंचायत पर तथा नगरीय क्षेत्र के समस्त मतदाता नगरीय निकाय के वार्ड के मतदान केन्द्रों पर जाकर अपने नाम की जांच प्रारूप मतदाता सूची 2025 में कर सकते हैं। एक जनवरी 2025 की स्थिति में नाम जोड़ने, विलोपित, संशोधित करने के संबंध में संबंधित प्राधिकृत कर्मचारी से फार्म प्राप्त कर निर्धारित समयावधि में जमा कराना सुनिश्चित करें।

प्रेक्षक जीएस चौहान ने जीरन एवं नीमच क्षेत्र के गांवों में दावा आपत्ति केन्द्रों का किया निरीक्षण

नीमच। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार नगरीय निकाय/पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची 2025 का प्रकाशन 8 अक्टूबर 2025 को किया जा चुका हैं। राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा नगरीय निकाय/ पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची 2025 के पुनरीक्षण कार्य के पर्यवेक्षण के लिये श्री गोविन्द सिंह चौहान, रा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) को प्रेक्षक नियुक्त किया गया हैं। प्रेक्षक श्री जी.एस. चौहान ने शुक्रवार को नीमच विकासखण्ड के ग्राम फोफलिया, घसूडी जागीर, जमुनिया कला, भाटखेड़ा एवं नगरीय क्षेत्र जीरन में दावा आपत्ति प्राप्त करने के लिये निर्धारित स्थलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। समस्त प्राधिकृत कर्मचारी दावे आपत्ति प्राप्त करने हेतु निर्धारित स्थल पर प्रतिदिन (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) प्रात: 10-00 बजे से सायं 05-00 बजे तक निरंतर उपलब्ध रहना सुनिश्चित करें। दावे आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर 2025 को अपरान्ह 03-00 बजे तक दावा आपत्ति प्राप्त किये जायेंगे।

जीएसटी रिफॉर्म जनता, व्यवसाय और युवाओं के लिए ऐतिहासिक सौगात : सुधीर गुप्ता

▸ **वक्ताओं ने कहा- स्वदेशी अपनाना ही सच्ची देशभक्ति**

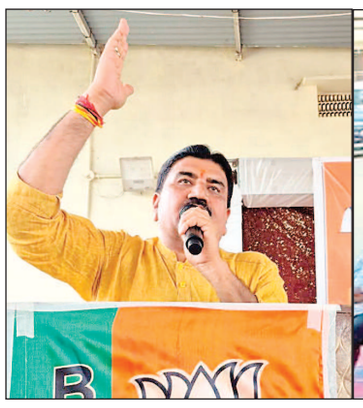

मंदसौर। भाजपा के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत सुवासरा एवं गरोठ विधानसभा में सम्मेलन संपन्न हुए। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित, विधायक हरदीप सिंह डंग और चन्द्रसिंह सिसोदिया सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म के माध्यम से देश की जनता, किसानों, व्यवसायियों और युवाओं को ऐतिहासिक राहत दी है। इससे वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है और बाजारों में रौनक लौटी है। उन्होंने दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल संदेश का पालन है। उन्होंने कहा कि हमें जीएसटी सुधारों के लाभ को आमजन तक पहुंचाना होगा।

विधायक हरदीप सिंह डंग ने कहा कि स्वदेशी केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है, वहीं विधायक चन्द्रसिंह सिसोदिया ने कहा कि जिस वस्तु में भारत की मिट्टी की महक हो, वही खरीदें, यही आत्मनिर्भर भारत की सच्ची दिशा है।

इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प पत्र का वाचन गरोठ में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश सेठिया एवं सुवासरा में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह महुआ ने किया।

कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र सिंह चौहान व गोकुलसिंह चौहान ने किया तथा आभार विक्रम सिंह महुआ व आदित्य मंगरोलिया ने माना। सम्मेलन में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में मनाया विश्व आघात दिवस

मन्दसौर। विश्व आघात दिवस (वर्ल्ड ट्रामा डे) 17 अक्टूबर 2025 के उपलक्ष्य में सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज मंदसौर में सार्थक एवं जनजागरूकता से परिपूर्ण आयोजन के के साथ मनाया गया। यह आयोजन आदरणीय अधिष्ठाता डॉ. शशि गांधी के मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में सम्पन्न हुआ, जिनकी प्रेरणा ने इस कार्यक्रम को दिशा और उद्देश्य प्रदान किया।

डॉ. इशांत चौरसिया सर, विभागाध्यक्ष सामान्य शल्य एवं सहयोगी विभाग, तथा डॉ. नेकी मीनारें मैडम, विभागाध्यक्ष बाल रोग विभाग, सहित सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, वरिष्ठ रेज़िडेंट्स, इंटर्न्स, तकनीशियनों एवं समस्त सहयोगी कार्मिकों का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालक डॉ. प्रतीक पगारें, वरिष्ठ रेज़िडेंट कृ अस्थि रोग विभाग तथा ट्रेनर्स डॉ. नयन सिलावट एवं डॉ. आकाश जमरा के प्रयासों ने प्रशिक्षण एवं आघात जागरूकता के इस अभियान को उत्कृष्ट ऊंचाइयां प्रदान कीं। डॉ. गौरव अखण्ड, विभागाध्यक्ष अस्थि रोग विभाग ने आभार व्यक्त किया।

बीपीएल चौराहा का नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

▸ **चौराहे के सौंदर्यीकरण की पहल प्रारंभ, नये स्वरूप में निखरेगा चौराहा**

मंदसौर। मंदसौर नगर के सबसे व्यस्ततम चौराहा बीपीएल चौराहा पर आये दिन होने वाली दुर्घटना को रोकने के लिये सड़क सुरक्षा समिति में हुए निर्णय के अनुसार बीपीएल चौराहा के सर्कल को हटाने का कार्य नपा ने पूर्ण कर लिया है इसके स्थान पर डब्ल्यूबीएम कर यहां डामरीकरण कर दिया गया है। ताकि बीपीएल चौराहा पर यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके।

नगरपालिका परिषद आगामी समय में इस चौराहे पर नये छोटे सर्कल का निर्माण करायेगी जो यातायात के नियमों के अनुसार एवं यातायात व्यवस्था के अनुसार होगा। इन सभी व्यवस्थाओं को देखने के लिये नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने नपा के जनप्रतिनिधियों एवं तकनीकी अमले के साथ बीपीएल चौराहे का निरीक्षण किया और यहां किये जा रहे कार्य को देखा तथा उक्त संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि आगामी दीपावली पर्व के पूर्व नपा ने बीपीएल चौराहे के सर्कल एवं पुराने एवं जर्जर हो चुके सिग्नलों को हटाकर मूर्त रूप लेगी ओर बीपीएल चौराहा पर नये सर्कल का निर्माण बड़ते यातायात को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा तथा यहां नये ट्राफीक सिग्नल एवं प्रकाश की व्यवस्था के लिये अतिरिक्त प्रबंध भी किये जायेंगे।

निरीक्षण के अवसर पर नपा लोक निर्माण सभापति निर्मला चंदवानी, जलकार्य सभापति निलेश जैन, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, नपा उपयंत्री रोहित कैथवास, भाजपा नेता राजेश गुर्जर भी मौके पर उपस्थित थे।

सिंचाई जलाशयों से जिले में रबी फसल की 16757 हेक्टयर में सिंचाई प्रस्तावित

▸ **कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक**

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्टोरेट सभा कक्ष में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक जावद ,ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच दिलीपसिंह परिहार, मनासा विधायक प्रतिनिधि अन्नद श्रीवास्तव, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं जिले के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जिला जल उपयोगिता समिति के सचिव एवं कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विमल श्रीवास्तव ने अवगत कराया, कि इस वर्षाकाल में विभागीय 68 सिंचाई योजनाओं में 88.37 मि.घ.मी. जल एकत्रित हुआ है, जो कि 97 प्रतिशत है। जिससे नीमच जिले में विभागीय सिंचाई योजनाओं से 16757 हेक्टर क्षेत्र में रबी सिंचाई प्रस्तावित की गई है। साथ ही, जावद तहसील के मोरवन मध्यम तालाब योजना से पेयजल हेतु 1.15 मि.घ.मी. एवं औद्योगिक हेतु 0.84 मि.घ.मी. जल आरक्षित किया गया है। नीमच तहसील में खुमानसिंह शिवाजी जलाशय (ठिकरिया मध्यम तालाब) से पेयजल हेतु 2.00 मि.घ.मी. एवं औद्योगिक हेतु 1.98 जल आरक्षित किया गया है। मनासा तहसील अंतर्गत चम्बलेश्वर तालाब से पेयजल हेतु 1.58 मि.घ.मी. जल आरक्षित किया गया है। बैठक में विधायक सखलेचा एवं परिहार ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

117 दिनों बाद फिर बजेंगी शहनाइयां, नवंबर में 14 और दिसंबर में केवल तीन दिन ही शुभ मुहूर्त

नीमच। पांच महीने से थमी शहनाइयों की गूंज अब फिर से बजने की तैयारी में है। 6 जुलाई से चातुर्मास लगने से मांगलिक कार्यों पर विराम लग गया था। अब 1 नवंबर को देव प्रबोधिनी एकादशी से फिर ब्याह का श्रीगणेश होगा। 117 दिनों बाद फिर विवाह का शुभ काल लौटेगा। सनातन धर्म में हमेशा शुभ मुहूर्त देखकर ही कार्य करने का विधान है। 16 दिसंबर को पौष मास प्रारंभ होने के साथ ही सूर्य के धनु राशि में होने से खरमास चल रहा है।हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास के दौरान कोई भी शुभ कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि नहीं किए जाते। इस बार चातुर्मास की शुरूआत 6 जुलाई से हुई थी, जो अब 1 नवंबर को खत्म होने वाला है। देवउठनी एकादशी के बाद विवाह आदि शुभ कामों पर लगी रोक खत्म हो जाएगी और जो लोग अपने विवाह के लिए इंतजार कर रहे हैं, उनके विवाह हो सकेंगे। यानी 117 दिन बाद फिर से विवाह की शहनाइयां गूंजने को तैयार हैं। पं. राजेंद्र शर्मा से जानें विवाह के शुभ मुहूर्त कब-कब हैं--

कब है देवउठनी एकादशी

इस बार देवउठनी एकादशी का पर्व 1 नवंबर, शनिवार है। इसके अलगे दिन यानी 12 नवंबर, रविवार को चातुर्मास समाप्त हो जाएगा। मान्यता है कि देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु नींद से जागते हैं और सृष्टि के संचालन की जिम्मेदारी पुन- अपने हाथ में लेते हैं। इसके बाद ही शुभ कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि किए जा सकते हैं।

2025 में विवाह के शुभ मुहूर्त

- नवंबर 2025 में विवाह आदि शुभ कार्यों के लिए 14 शुभ मुहूर्त हैं। इनकी डेट्स इस प्रकार है- 2, 3, 5, 8, 12, 13, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 25 और 30 नवंबर।
- दिसंबर 2025 की बात की जाए तो इस महीने में विवाह आदि शुभ कामों के लिए सिर्फ 3 शुभ मुहूर्त ही निकल रहे हैं, क्योंकि 16 दिसंबर से मल मास शुरू हो जाएगा जो 14 जनवरी 2026 तक रहेगा। दिसंबर 2025 के शुभ मुहूर्त-4, 5 और 6।

2026 में विवाह के शुभ मुहूर्त

विद्वानों के अनुसार, 12 दिसंबर 2025 से शुक्र ग्रह अस्त हो जाएगा जो 1 फरवरी 2026 को उदय होगा।

एक नजर ▸ **2×2 मिमी के टूटे रुद्राक्ष पर बनाई भगवान पशुपतिनाथ की अद्वितीय छवि**

नीमच के युवा कलाकार राहुल लोहार की अनूठी कलाकृति की उप मुख्यमंत्री ने की सराहना

नीमच। जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित जीरन तहसील के कुचड़ोद गांव के युवा कलाकार राहुल लोहार ने अपनी अनोखी कला से एक बार फिर सबको चौंका दिया है। राहुल ने मात्र 2×2 मिलीमीटर से भी छोटे खंडित रुद्राक्ष पर मंदसौर के प्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ की बारीक चित्रकारी कर एक अद्भुत उदाहरण पेश किया। इस चित्रकारी को साधारण आंखों से नहीं, बल्कि बिल्लोरी कांच (मैग्निफाइंग ग्लास) से देखने पर पूरी भव्यता के साथ दिखाई देता है।

राहुल की इसी उपलब्धि पर मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश जी देवड़ा से बीते दिवस मुलाकात की। इस अवसर पर राहुल ने रुद्राक्ष पर बनाई गई भगवान पशुपतिनाथ की सूक्ष्म पेंटिंग उप मुख्यमंत्री जी को भेंट की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जगदीश जी देवड़ा ने इस अनोखी कलाकृति का अवलोकन कर भरपूर सराहना की तथा भारतीय कला-संस्कृति को सशक्त बनाने में नीमच जिले के राहुल लोहार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुवे राहुल का प्रोत्साहन किया।

देशी रंगों से बनी दिव्य छवि- राहुल ने इस चित्र में किसी भी महंगे या कृत्रिम रंग का उपयोग नहीं किया। उन्होंने गेरू, सफेदा और देसी गोंद जैसे पारंपरिक रंगों से चित्र को उकेरा, जो उनकी कला और संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बिना किसी आधुनिक ब्रश या तकनीकी उपकरण के, उन्होंने मात्र तीन घंटे की अथक मेहनत में यह चित्र तैयार किया।

खंडित रुद्राक्ष बना प्रेरणा का माध्यम- राहुल ने बताया कि यह विचार उन्हें तब आया जब उन्होंने घर में एक टूटा हुआ रुद्राक्ष देखा, जिसे पहले नदी में प्रवाहित करने का सोचा गया था। लेकिन बाद में उन्होंने इस खंडित रुद्राक्ष पर मंदसौर के प्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ की सूक्ष्म छवि बनाने का निश्चय किया। आज यह कलाकृति दर्शाती है कि भक्ति और सृजनात्मकता के मेल से किसी भी वस्तु को अनुपम सौंदर्य में बदला जा सकता है।

आंखों से नहीं, भावनाओं से देखने योग्य कला- यह सूक्ष्म चित्र इतनी बारीकी से बनाई गई है कि नंगी आंखों से देखना कठिन है, लेकिन मैग्निफाइंग ग्लास से देखने पर भगवान पशुपतिनाथ की मूर्ति की हर रेखा, भाव और रंग स्पष्ट नजर आते हैं। यह कलाकृति दर्शाती है कि कला केवल दृष्टि से नहीं, बल्कि संवेदना से भी अनुभव की जाती है।

परंपरा में पले-बढ़े कलाकार की प्रेरणादायक यात्रा - राहुल लोहार का जन्म एक सामान्य ग्रामीण परिवार में हुआ। उनके माता-पिता देवीलाल लोहार एवं शांति बाई लोहार ने उन्हें संस्कार, अनुशासन और सेवा जैसे मजबूत मूल्यों के साथ पाला। बचपन से ही राहुल में सामाजिक चेतना और कला के प्रति रुचि का अनूठा समन्वय देखने को मिला। समय के साथ राहुल ने अपनी रुचियों को एक बहुआयामी पहचान दी।

आसान नहीं था आकार देना

राहुल मानते हैं कि इतने छोटे और गोल सतह पर साफ व सटीक आकृति बनाना बेहद कठिन था। लेकिन उन्होंने न केवल यह चुनौती स्वीकार की, बल्कि उसे इतनी खूबसूरती से पूरा भी किया कि आज यह काम पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। कला को पहचान मिलना जरूरी-राहुल लोहार की यह बारीक और परंपरागत कला बताती है कि संसाधनों से नहीं, संकल्प से इतिहास रचे जाते हैं। अब जरूरत है ऐसे कलाकारों को मंच देने और प्रोत्साहन देने की, ताकि गांवों की प्रतिभा विश्वपटल तक पहुंच सके।